नैदानिक उपकरण के रूप में साक्षात्कार का मूल्यांकन

Evaluation of interview as a diagnostic tool

नैदानिक निरूपण के लिए कई तरह के उपकरणों या विधियों का उपयोग किया जाता है। इनमें साक्षात्कार एक महत्वपूर्ण उपकरण प्रविधि या विधि है। सच तो यह है कि अन्य उपकरणों की अपेक्षा साक्षात्कार का उपयोग नैदानिक मूल्यांकन के लिए अधिक व्यापक रूप से किया जा सकता है। नैदानिक साक्षात्कार काफी महत्वपूर्ण है। नैदानिक उपकरण के रूप में इस साक्षात्कार का उपयोग सबसे अधिक किया जा रहा है।

Korchin नैदानिक साक्षात्कार का उल्लेख किया है और कहा है कि साक्षात्कार का उद्देश्य मानसिक रोगियों का निरूपण करना है। इस साक्षात्कार को नैदानिक साक्षात्कार भी कहते हैं। इसकी चर्चा करते हुए Korchin ने कहा है कि नैदानिक साक्षात्कार अथवा निरूपणआत्मक साक्षात्कार वह साक्षात्कार है जिसमें मुख्य रुप से रोगी को लक्षणों पर बल दिया जाता है ताकि उसका निरूपण हो सके तथा वह रोगमुक्त बन सके ।

अब देखना यह है कि नैदानिक दृष्टिकोण से साक्षात्कार कहां तक उपयोगी उपकरण है। इस संबंध में साक्षात्कार के कई नैदानिक मूल्यों अथवा निरूपणआत्मक उपयोगिताओं का उल्लेख मिलता है जो निम्नलिखित है:

Kelly ने नैदानिक साक्षात्कार के महत्व पर बल दिया है और कहा है कि इसके द्वारा रोगियों का निरूपण बहुत हद तक सही होता है। साक्षात्कार के समय चिकित्सक को इस बात का अवसर मिलता है कि वह रोगी के व्यवहारों का निरीक्षण करें, इससे निरूपण करने में अधिक सुविधा होती है।

Scanned with CamScanner

Korchin ने कहा है कि नैदानिक उपकरण के रूप में साक्षात्कार एक सफल विधि है। उनके अनुसार साक्षात्कार के आधार पर रोगी का गहन अध्ययन संभव होता है। इसका उपयोग निदान गृह के अंदर तथा निदान गृह के बाहर भी किया जाता है। उन्होंने इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि इसका उपयोग कर रोग से युक्त रोगियों को काफी हद तक रोग मुक्त किया जा सकता है।

Bernstein & Nietzel ने भी साक्षात्कार के निर्धारित मूल्यों का उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि यह एक सरल विधि है। इस विधि के द्वारा बहुत आसानी से रोगी का निरूपण करना संभव होता है। रोगी से कुछ संगत प्रश्न पूछे जाते हैं और उसके द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर कोई निश्चित परिणाम प्राप्त किया जाता है।

Korchin के अनुसार नैदानिक पेशा के लिए साक्षात्कार एक उपयोगी विधि है ,कारण इस विधि का उपयोग एक निरपेक्ष उपकरण के रूप में करना संभव होता है। दूसरे शब्दों में अन्य विधियों के अभाव में भी केवल साक्षात्कार के आधार पर रोगी का निरूपण संभव होता है।

Peterson ने भी साक्षात्कार के नैदानिक महत्व पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि साक्षात्कार एक ऐसा उपकरण है, जिसका उपयोग रोगी के निरूपण के लिए किसी भी समय तथा किसी भी स्थान पर करना संभव होता है। इतनी अधिक व्यापकता किसी भी दूसरी नैदानिक प्रविधि या विधि में नहीं है।

Philips के अनुसार नैदानिक उपकरण के रूप में साक्षात्कार में लचीलापन का गुण पाया जाता है। विशेष रूप से असंरचित साक्षात्कार में लचीलापन का गुण और भी अधिक पाया जाता है ।

साक्षात्कार का एक विशेषता इसकी विश्वसनीयता तथा वैधता है। नैदानिक व्यवसाय के लिए इस विधि की विश्वसनीयता तथा वैधता संतोषजनक है, फिर भी सभी परिस्थितियों में इसकी विश्वसनीयता तथा वैधता समान नहीं होती है। वास्तव में इस पर कई कारकों का प्रभाव पड़ता है। जिसे इसके दोष के रूप में देखा जा सकता है जो निम्नलिखित है:

सीमाएं

Demerits

कई विद्वानों एवं मनोवैज्ञानिकों ने साक्षात्कार की आलोचना की है और कहा है कि इस की नैदानिक उपयोगिता सीमित है। इस संबंध में निम्नलिखित बातें महत्वपूर्ण है:

Korchin ने नैदानिक साक्षात्कार की आलोचना की है और कहा है कि गंभीर मानसिक रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को निरूपण के लिए साक्षात्कार उपयुक्त उपकरण नहीं है। गंभीर रूप से पीड़ित रोगियों का सही उपचार इस विधि से संभव नहीं हो पाता है।

Scanned with CamScanner

Viteles के अनुसार इस नैदानिक उपकरण का दोष यह है कि रोगी में घबराहट की संभावना सदा बनी रहती है। नया माहौल होने के कारण कुछ रोगी घबराहट के शिकार हो जाते हैं और इस कारण उनका सही निदान या निरूपण नहीं हो पाता है।

यह नैदानिक उपकरण आत्मनिष्ठ विधि है इनमें सदा संभावना बनी रहती है कि रोगी गलत उत्तर दे दे तथा सही बातों को छुपा ले। ऐसी हालत में रोगी का समुचित निरूपण या निदान संभव नहीं होता है।

Rice, Temertin इत्यादि मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों से यह दावा किया कि साक्षात्कार के समय चिकित्सक के निर्णय उसके अपने व्यक्तिगत पक्षपातौं से प्रभावित होता है। उनके पूर्वाग्रह, अनुकूलित प्रतिक्रिया इत्यादि व्यक्तिगत पक्षपातौं के कारण रोगी का समुचित निदान संभव नहीं हो पाता है।

नैदानिक साक्षात्कार के साथ यह घटना यह भी है कि रोगी अपने मानसिक स्थिति को समुचित रूप में व्यक्त करने में सफल नहीं हो पाता है, कारण यह है कि आत्म निरीक्षण या अंत:निरीक्षण सही अर्थ में बहुत कठिन होता है। Korchin के अनुसार नैदानिक साक्षात्कार में विश्वसनीयता तथा वैधता की समस्या काफी गंभीर होती है। Wener आदि ने भी अपने अध्ययन से प्रमाणित किया है कि निदान या निरूपण के दृष्टिकोण से साक्षात्कार की वैधता काफी सीमित है ।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि नैदानिक उपकरण के रूप में साक्षात्कार का एक सफल उपकरण होते हुए भी पूर्ण तह अविश्वसनीय तथा वैद्य नहीं है। इस विधि का नैदानिक मूल्य इस बात से प्रमाणित होता है कि लगभग सभी चिकित्सक नैदानिक उपकरण के लिए साक्षात्कार विधि का उपयोग करते हैं।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश

विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें, समझें तथा अपनी भाषा में लिखने का प्रयास करें। यह परीक्षा के दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण है। यदि किसी भी तरह की कठिनाई होती है तो हमसे व्हाट्सएप पर संपर्क करें ।

समाप्त

Scanned with CamScanner